अफ्रीकी कहानी

गेल, हिंदी : विदूषक

सुनो बच्चों, तुम मेरे घुटनों के पास इकट्ठे हुए हो कहानी सुनने के लिए. पर एक ज़माना था जब पृथ्वी पर कहानियां ही नहीं थीं. सारी कहानियां न्यामे – आकाश-देव के कब्ज़े में थीं. वो उसे एक सोने के डिब्बे में छिपा कर रखते थे. डिब्बा उनके राजसी स्टूल के पास रखा रहता था.
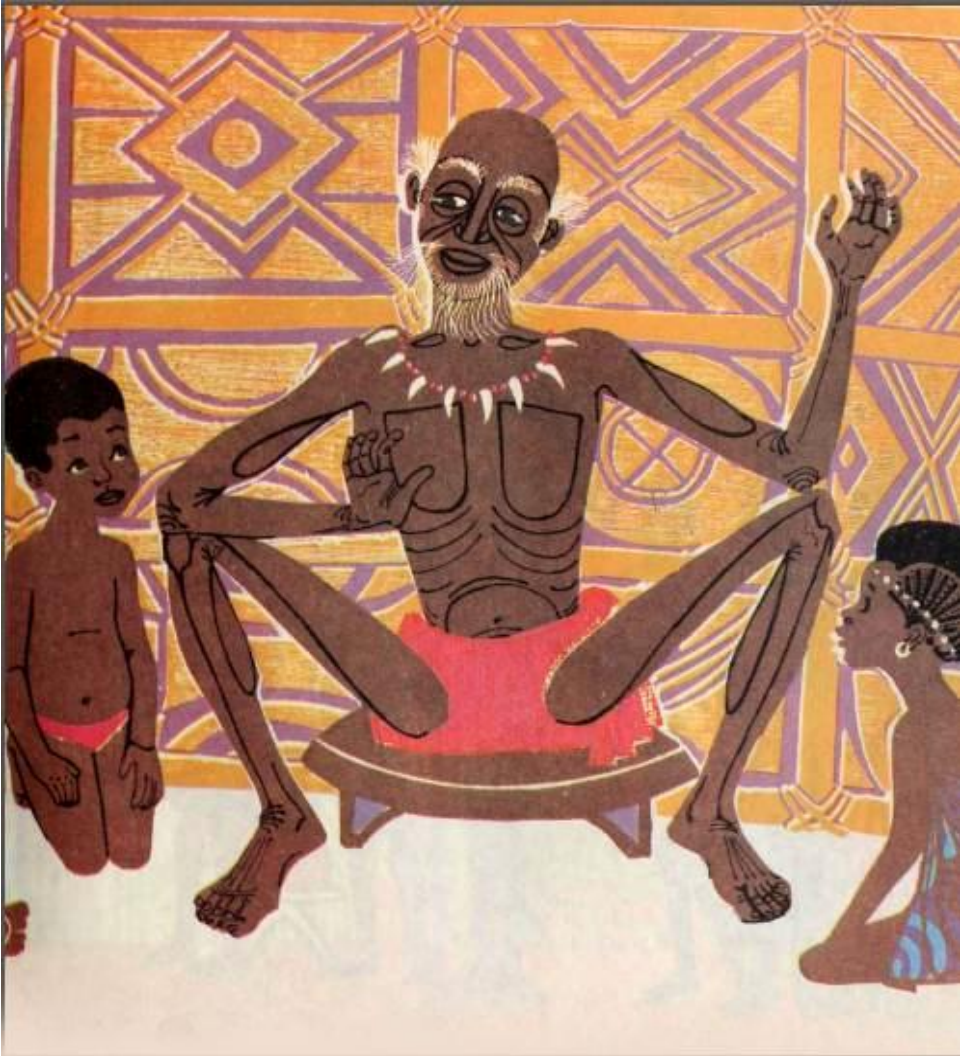
अनानसे – मकड़ी-मनुष्य, आकाश-देव से सारी कहानियां खरीदना चाहता था. इसलिए उसने आकाश में एक जाल बुना.
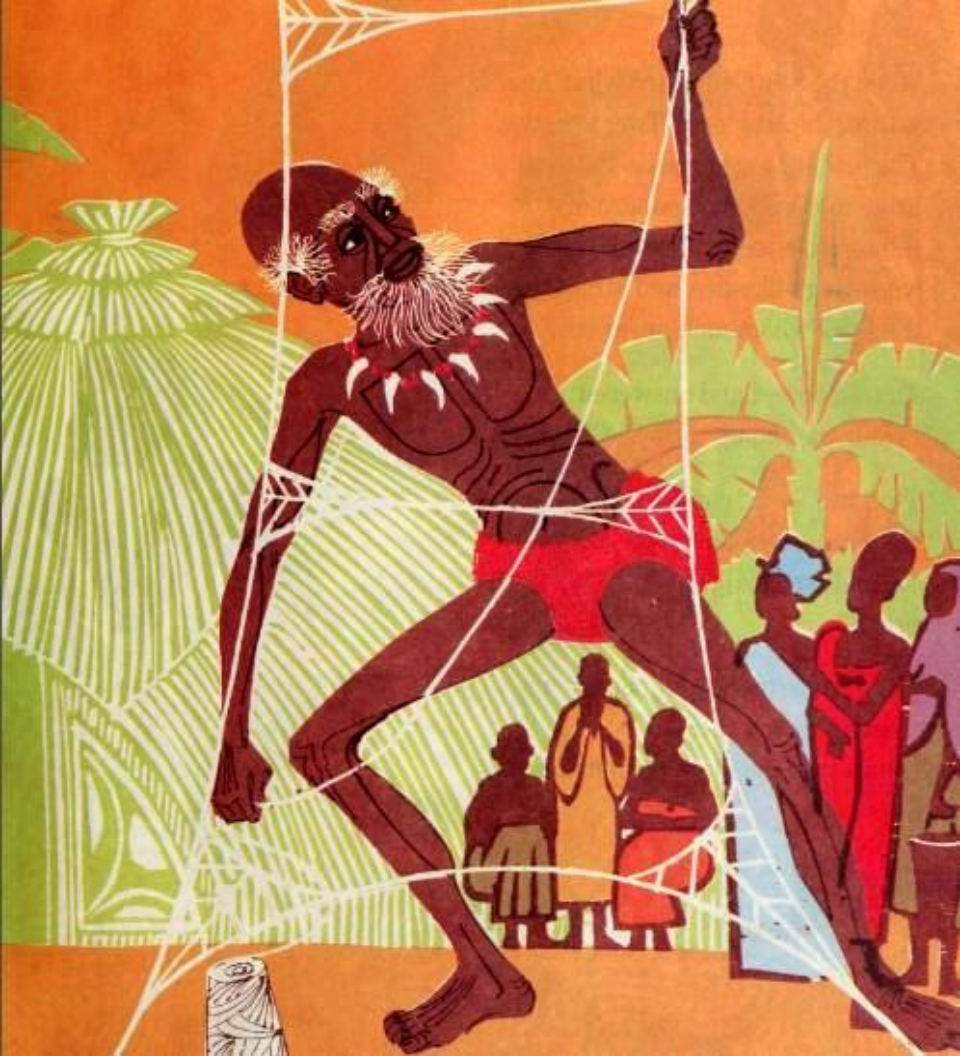
जब आकाश-देव को अनानसे की इच्छा मालूम पड़ी तो वो हँसे और उन्होंने कहा, "तो सुनो मेरी कहानियों की कीमत. मुझे भयानक दांत वाला चीता - ओसेबो लाकर दो. मेम्बोरो – गहरा डंक मारने वाली ततैय्या लाकर दो. और ममोटिया परी लाकर दो – जिसे किसी आदमी ने नहीं देखा हो."

अनानसे ने झुककर जवाब दिया, "मैं ज़रूर आपको कहानियों की कीमत दूंगा."

"अरे वाह!" आकाश-देव ने मज़ाक करते हुए कहा. "तुम जैसा पतला-दुबला, बूढ़ा, छोटा आदमी भला कहानियों की इतनी बड़ी कीमत कैसे चुकाएगा?"

पर उसके बाद अनानसे पृथ्वी पर उतरकर आया और वो आकाश-देव द्वारा मांगी चीज़ों को ढूँढने लगा.
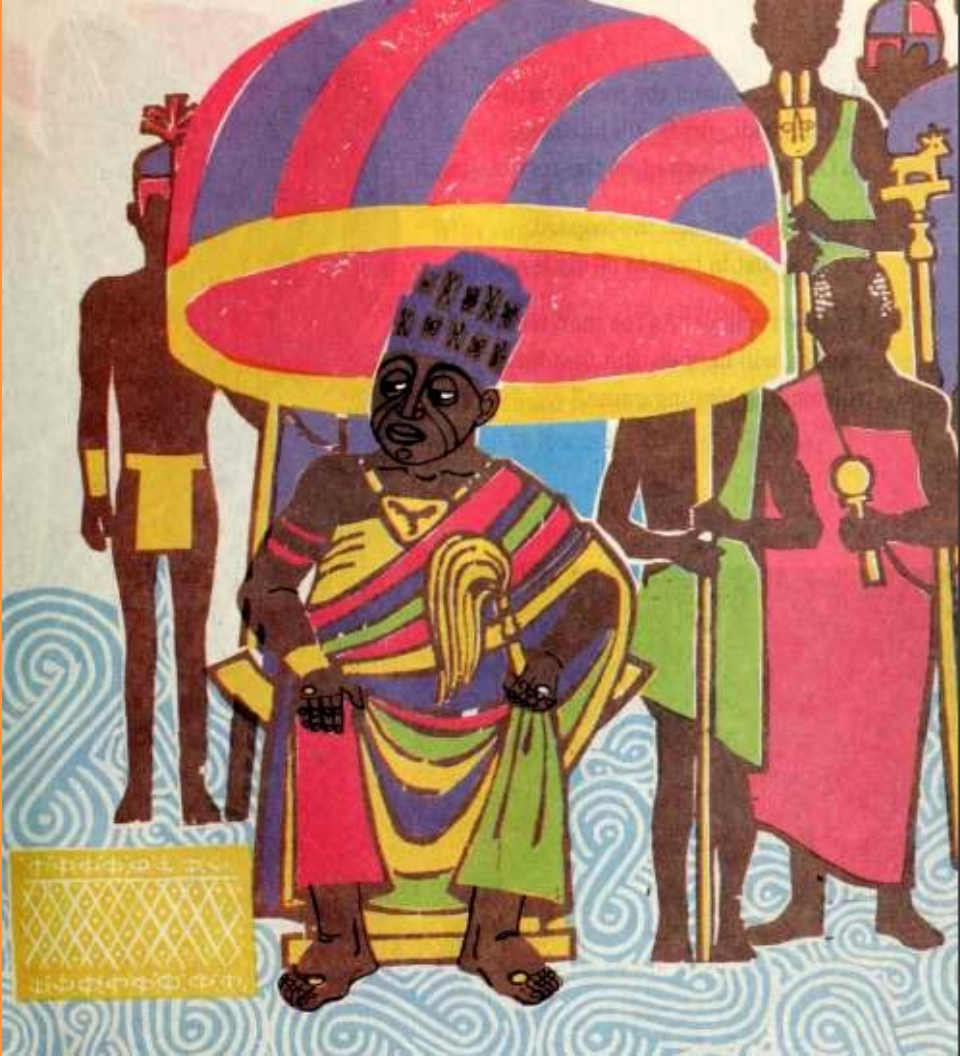
अनानसे जंगल में दौड़ा-दौड़ा गया. वो "यिर्दी, यिर्दी, यिर्दी," चिल्ला रहा था. अंत में वो भयानक दांत वाले चीते – ओसेबो के पास पहुंचा.

"प्रिय अनानसे तुम सही समय पर मेरे पास आए हो," चीते ने कहा, "अब मेरे भोजन का समय है."

अनानसे ने उत्तर दिया: "देखो जो होगा वो मैं बाद में देखूँगा जाएगा. पर पहले मुझे बांधने वाला खेल खेलने दो."

वो चीता खेलों का शौक़ीन था. उसने पूछा: “बाँधने वाला खेल कैसे खेला जाता है?”
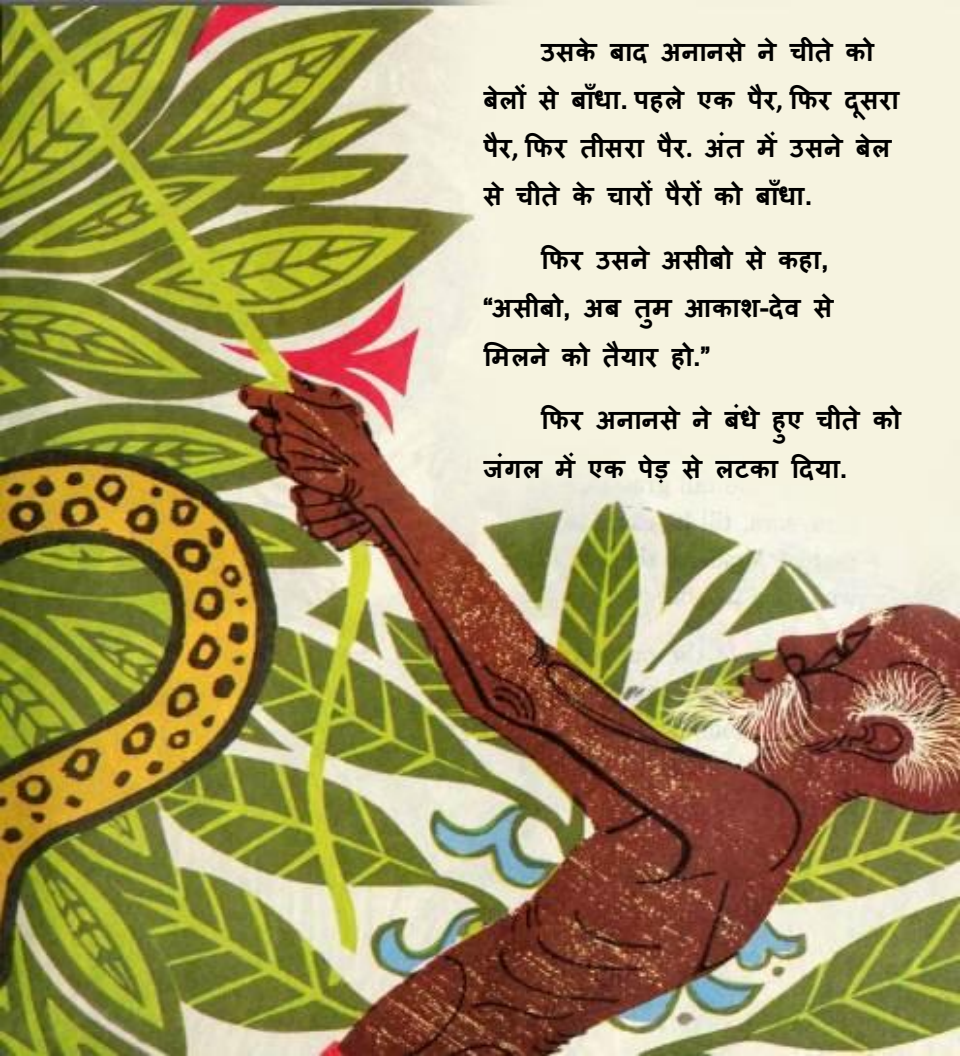
“उसे बेलों से खेला जाता है,” अनानसे ने समझाते हुए कहा.

“पहले मैं पेड़ की बेलों से तुम्हारे पैरों को बांधूंगा. फिर मैं उन्हें खोलूँगा. उसके बाद तुम मुझे बांधना.”

“ठीक है,” चीते ने घुर्राते हुए कहा. चीता, अनानसे को बाँधने से पहले खाना चाहता था.
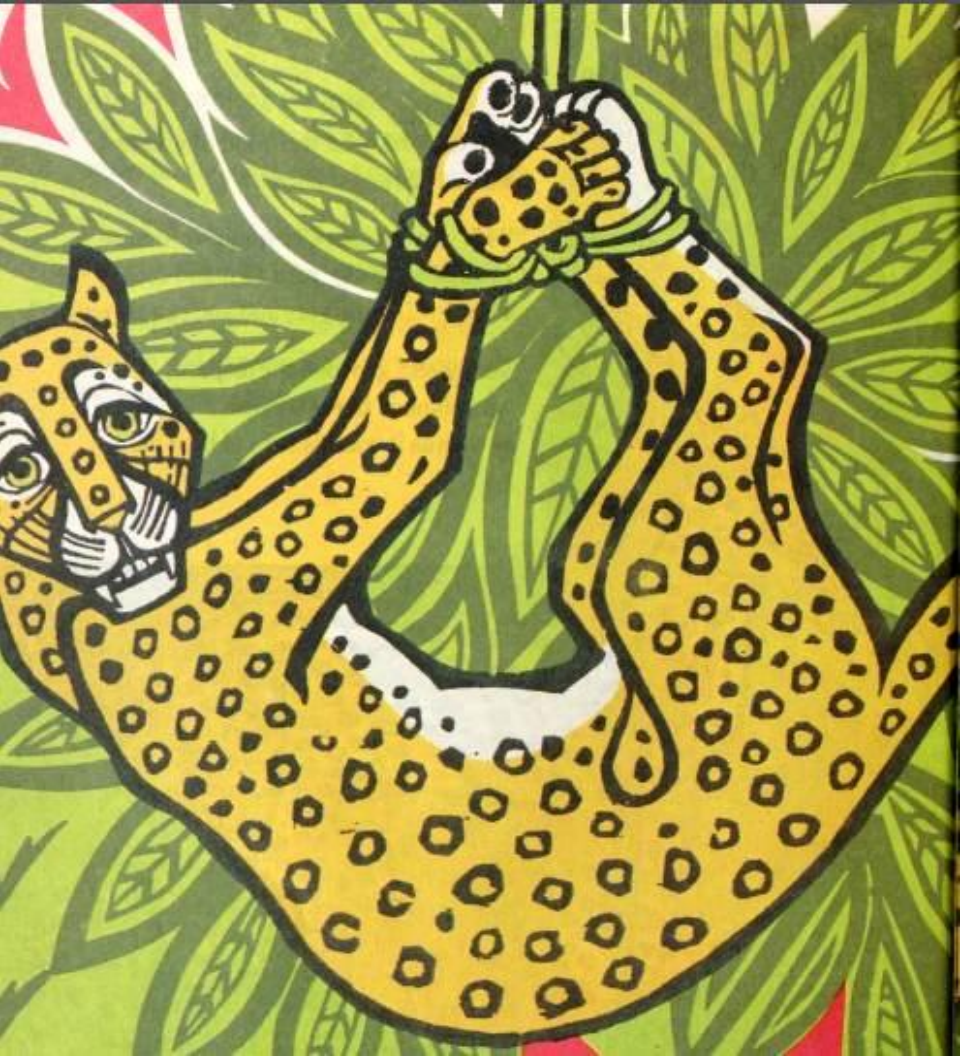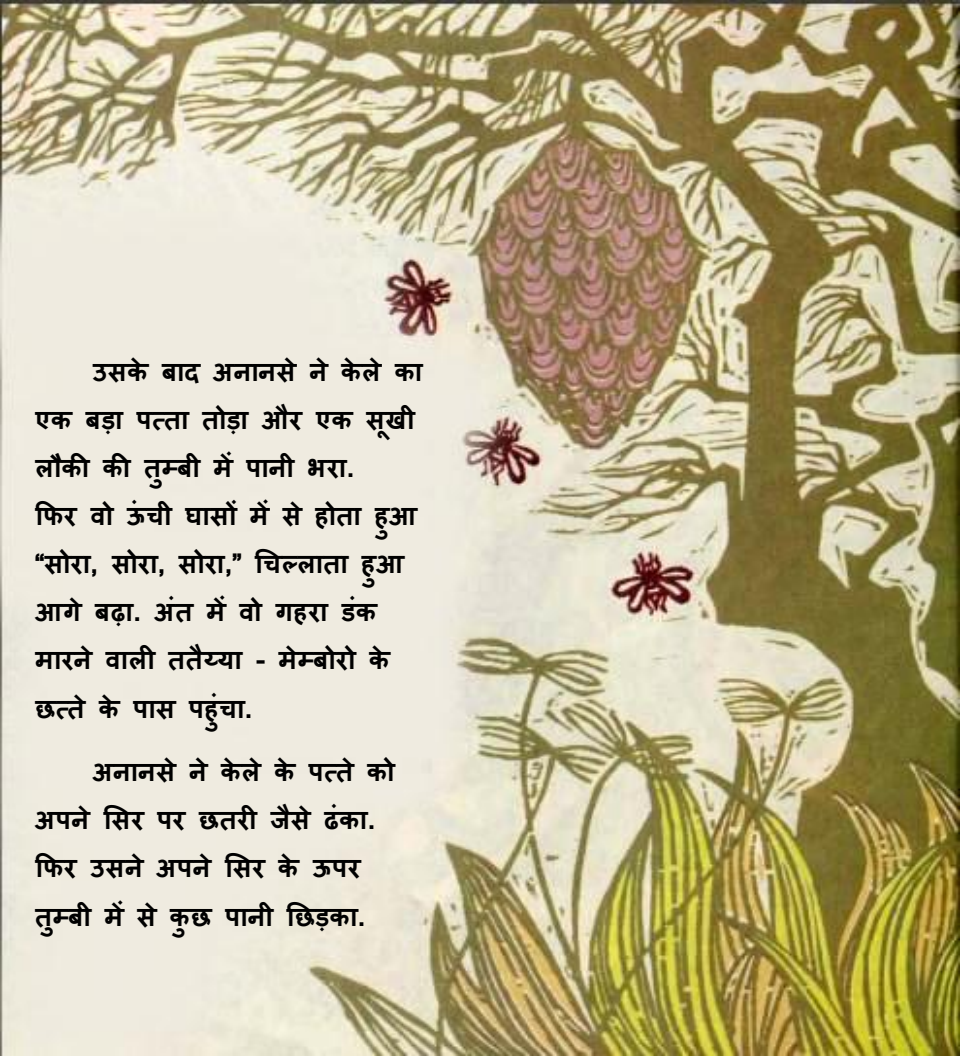
उसके बाद अनानसे ने चीते को बेलों से बाँधा. पहले एक पैर, फिर दूसरा पैर, फिर तीसरा पैर. अंत में उसने बेल से चीते के चारों पैरों को बाँधा.

फिर उसने असीबो से कहा, “असीबो, अब तुम आकाश-देव से मिलने को तैयार हो.”

फिर अनानसे ने बंधे हुए चीते को जंगल में एक पेड़ से लटका दिया.
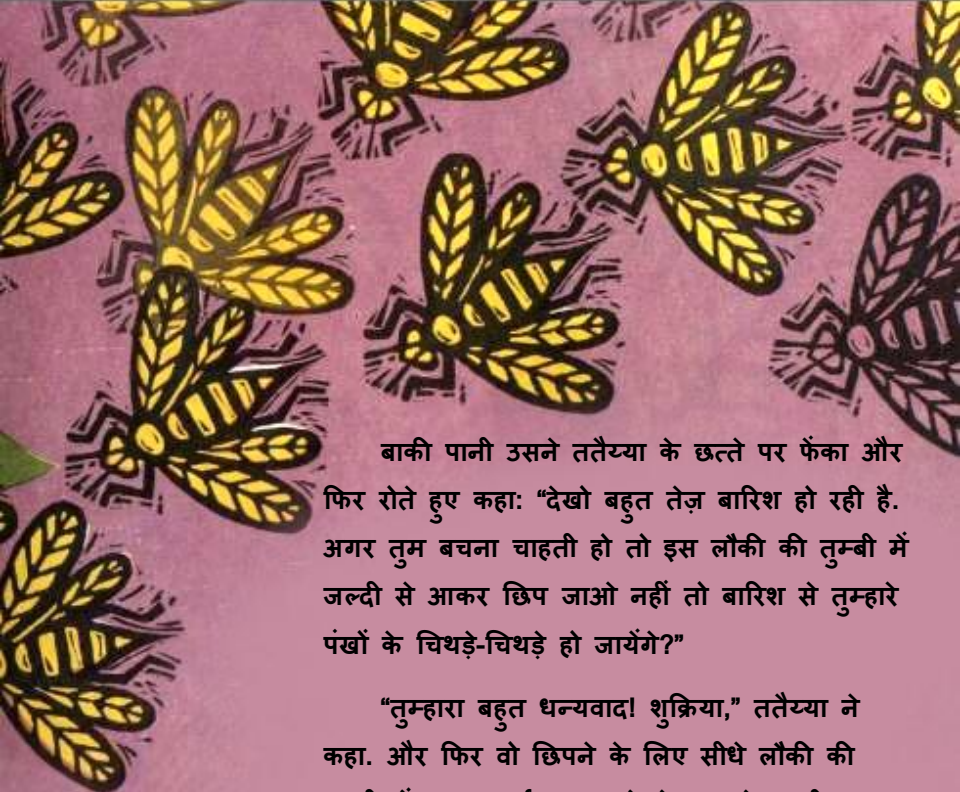
उसके बाद अनानसे ने केले का एक बड़ा पत्ता तोड़ा और एक सूखी लौकी की तुम्बी में पानी भरा. फिर वो ऊंची घासों में से होता हुआ "सोरा, सोरा, सोरा," चिल्लाता हुआ आगे बढ़ा. अंत में वो गहरा डंक मारने वाली ततैय्या - मेम्बोरो के छत्ते के पास पहुंचा.

अनानसे ने केले के पत्ते को अपने सिर पर छतरी जैसे ढंका. फिर उसने अपने सिर के ऊपर तुम्बी में से कुछ पानी छिड़का.
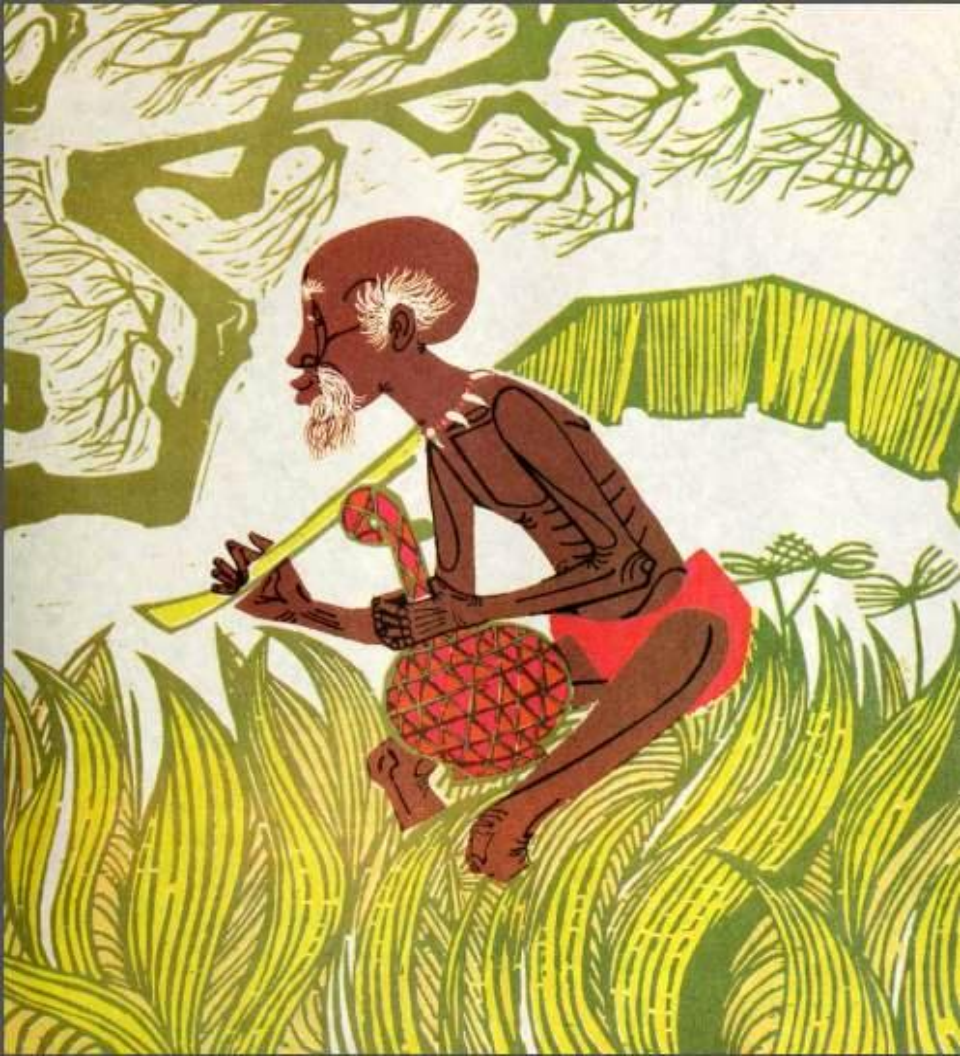
बाकी पानी उसने ततैय्या के छत्ते पर फेंका और फिर रोते हुए कहा: “देखो बहुत तेज़ बारिश हो रही है. अगर तुम बचना चाहती हो तो इस लौकी की तुम्बी में जल्दी से आकर छिप जाओ नहीं तो बारिश से तुम्हारे पंखों के चिथड़े-चिथड़े हो जायेंगे?”

“तुम्हारा बहुत धन्यवाद! शुक्रिया,” ततैय्या ने कहा. और फिर वो छिपने के लिए सीधे लौकी की तुम्बी में उड़कर गई! अनानसे ने झट से तुम्बी का मुंह बंद कर दिया.

“मेम्बोरो, अब तुम आकाश-देव को मिलने को तैयार हो. उसके बाद उसने लौकी की तुम्बी को चीते के पास ही पेड़ से लटका दिया.

अंत में अनानसे ने लकड़ी तराशकर एक गुड़िया बनाई जो अपने हाथ में एक कटोरा पकड़े थी. उसके बाद उसने गुड़िया पर चिपचिपा गोंद लपेटा. उसने गुड़िया के कटोरे में पिसे हुए जिमीकंद भरे.
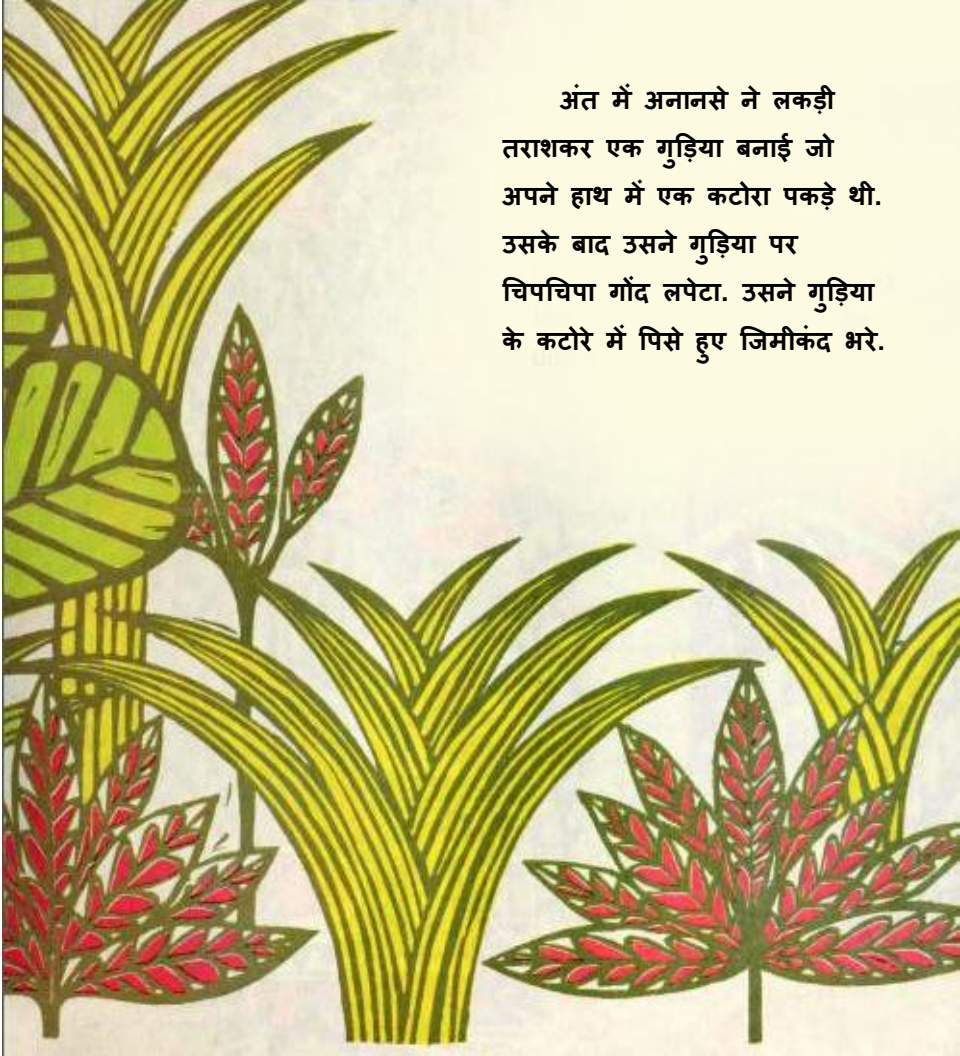
उसके बाद अनानसे ने लकड़ी की गुड़िया को उस फूल वाले पेड़ के नीचे रखा जहाँ पर परियां नाचती थीं. अनानसे ने पेड़ की पतली बेल को गुड़िया से बाँधा और बेल के दूसरे सिरे को अपने हाथों में पकड़ा. फिर अनानसे झाड़ी के पीछे जाकर छिप गया.

कुछ देर के बाद ममोटिया परी वहां आई. उस परी को कभी किसी आदमी ने नहीं देखा था. परी नाचते, नाचते, नाचते फूलों वाले पेड़ के नीचे आई. वहां उसे कटोरे में जिमीकंद लिए लकड़ी की गुड़िया दिखाई दी.

ममोटिया परी ने कहा, “बेटी मुझे बहुत भूख लगी है. क्या मैं तुम्हारे कुछ जिमीकंद खा सकती हूँ?”

झाड़ी के पीछे अनानसे ने बेल को थोड़ा खींचा. उससे गुड़िया हिली और परी को ऐसा लगा जैसे गुड़िया ने “हाँ” कहा हो. फिर परी ने गुड़िया के हाथ से कटोरा लिया और सब जिमीकंद खा लिए.
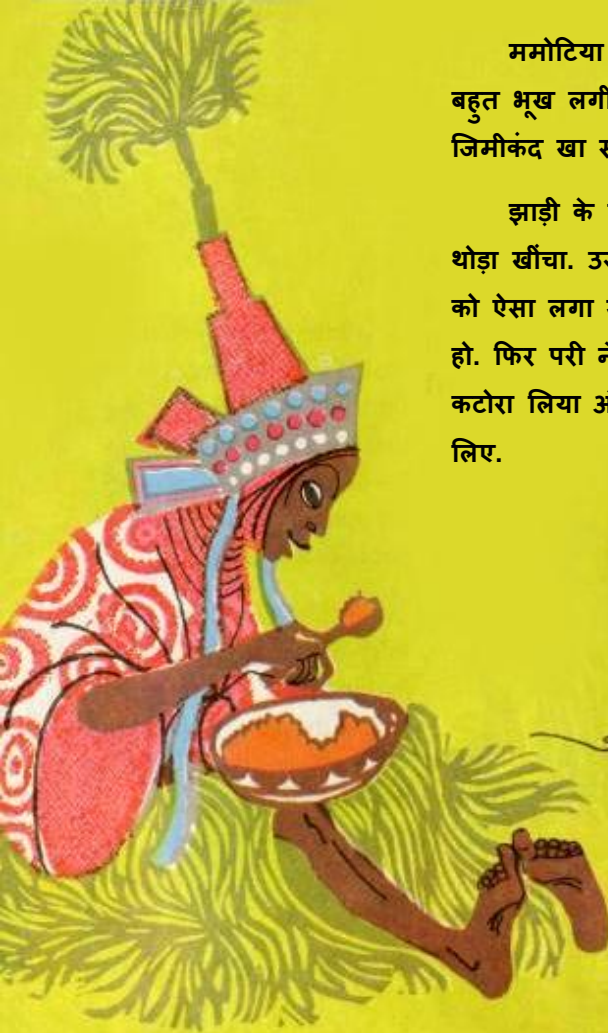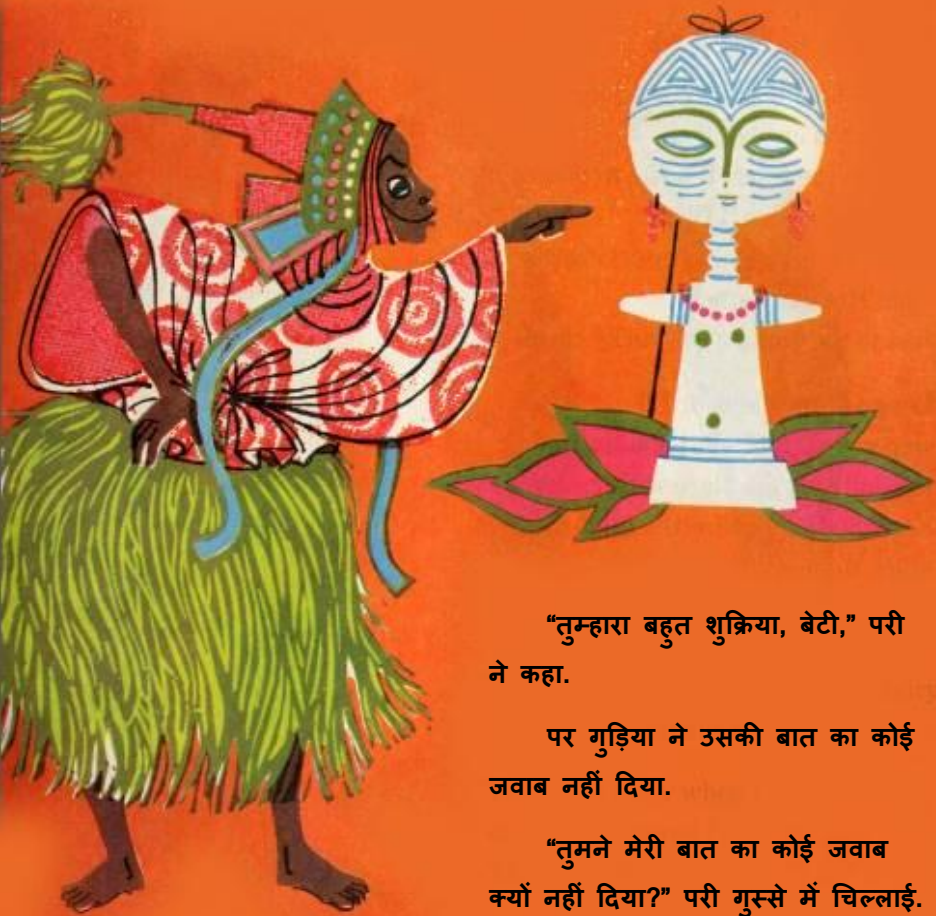
"तुम्हारा बहुत शुक्रिया, बेटी," परी ने कहा.

पर गुड़िया ने उसकी बात का कोई जवाब नहीं दिया.

"तुमने मेरी बात का कोई जवाब क्यों नहीं दिया?" परी गुस्से में चिल्लाई.

गुड़िया बिल्कुल भी नहीं हिली.

"देखो, अगर तुमने मेरी बात का जवाब नहीं दिया तो मैं तुम्हें एक चांटा मारूंगी," परी चिल्लाई.

पर गुड़िया बिल्कुल भी हिली-डुली नहीं. वो एकदम चुप रही. उसके बाद गुस्से में परी ने गुड़िया को कसकर चांटा मारा. फिर क्या हुआ? परी का वो हाथ गुड़िया के गाल पर कसकर चिपक गया.

"मेरा हाथ छोड़ो, नहीं तो मैं तुम्हें दुबारा चांटा मारूंगी," फिर परी ने गुड़िया को दूसरे हाथ से भी चांटा मारा. तब परी के दोनों हाथ गुड़िया के गालों पर चिपक गए. परी बहुत गुस्से में थी. फिर उसने गुड़िया को अपने दोनों पैरों से धक्का दिया. परी के दोनों पैर भी अब गुड़िया से जाकर चिपक गए.

उसके बाद अनानसे झाड़ी के पीछे से बाहर निकला. "ममोटिया, अब तुम आकाश-देव से मिलने को तैयार हो. फिर अनानसे, ममोटिया परी को उस पेड़ पर ले वहां गया जहाँ चीता और तत्तैया पहले से लटके थे.
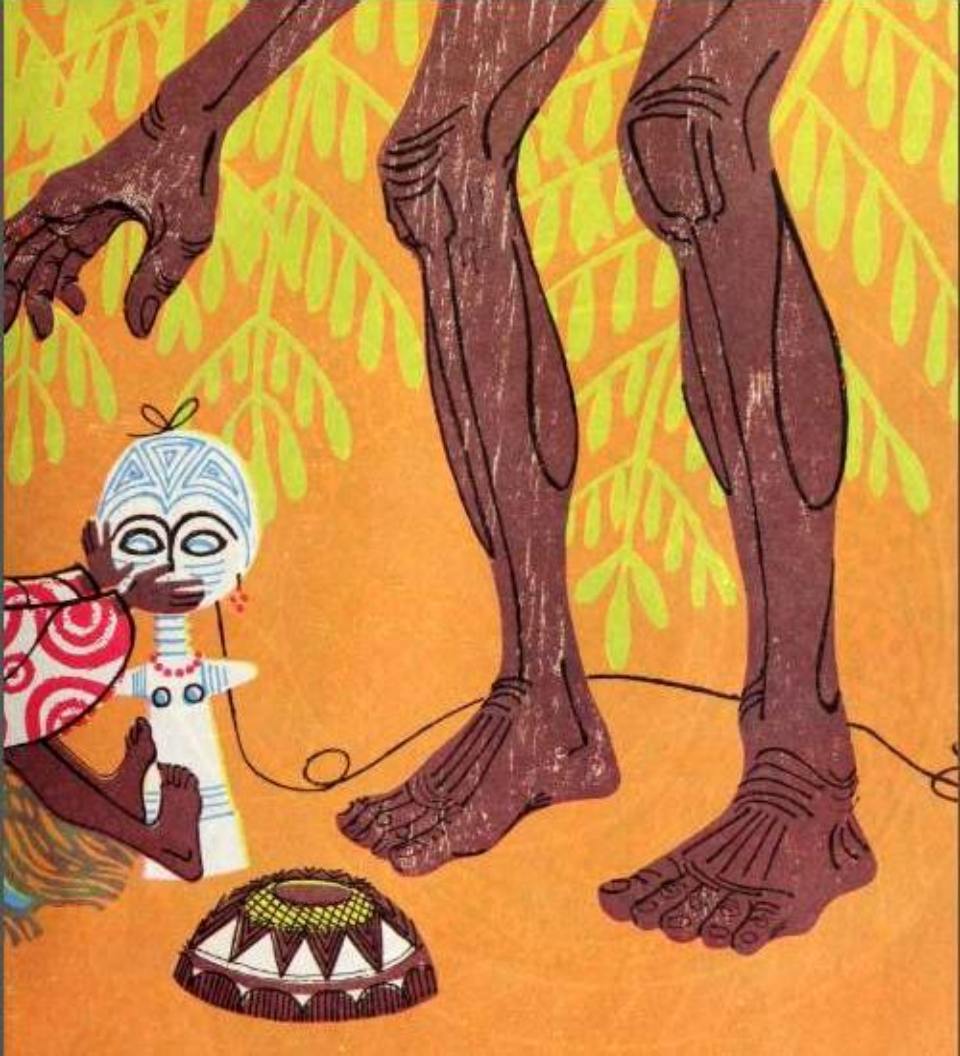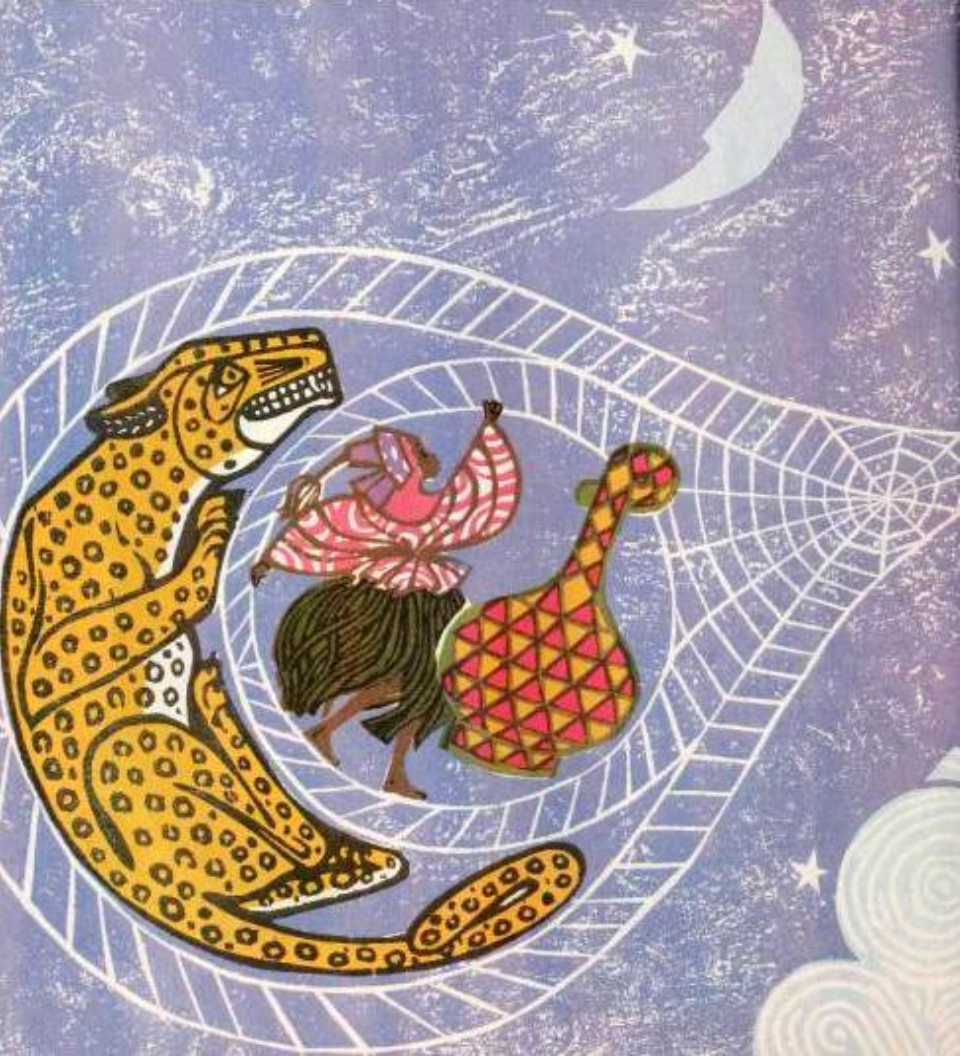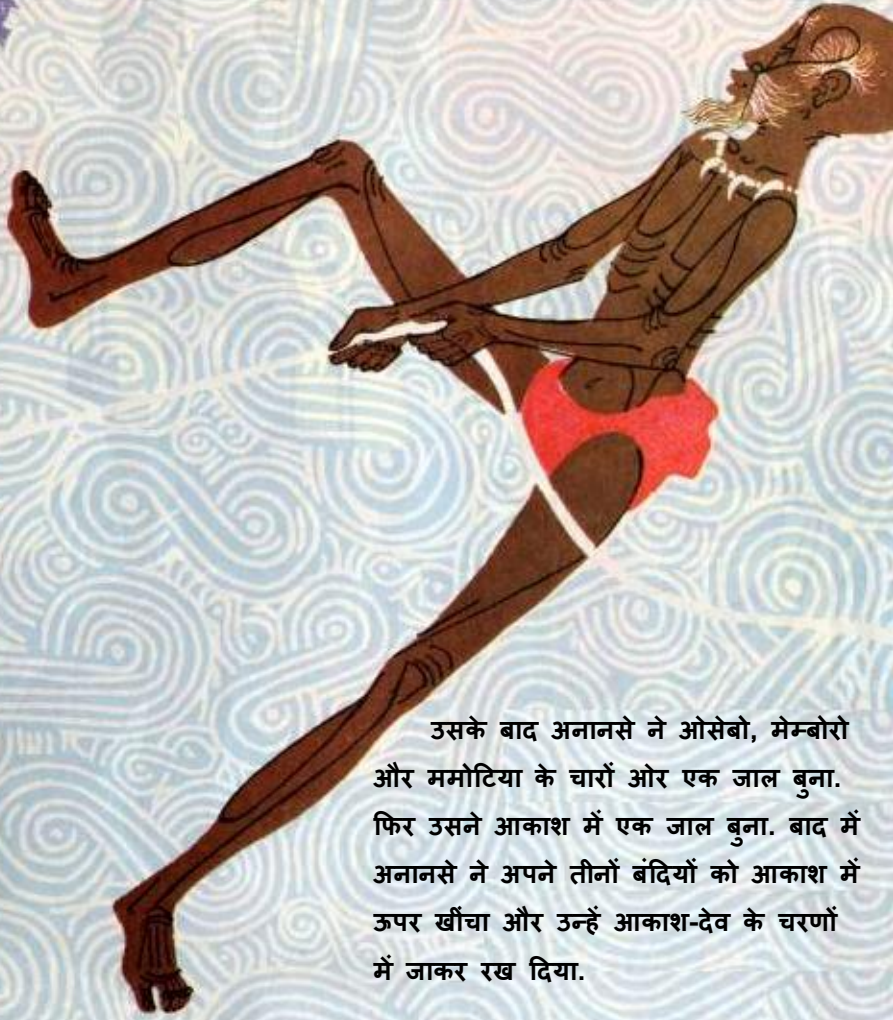
उसके बाद अनानसे ने ओसेबो, मेम्बोरो और ममोटिया के चारों ओर एक जाल बुना. फिर उसने आकाश में एक जाल बुना. बाद में अनानसे ने अपने तीनों बंदियों को आकाश में ऊपर खींचा और उन्हें आकाश-देव के चरणों में जाकर रख दिया.
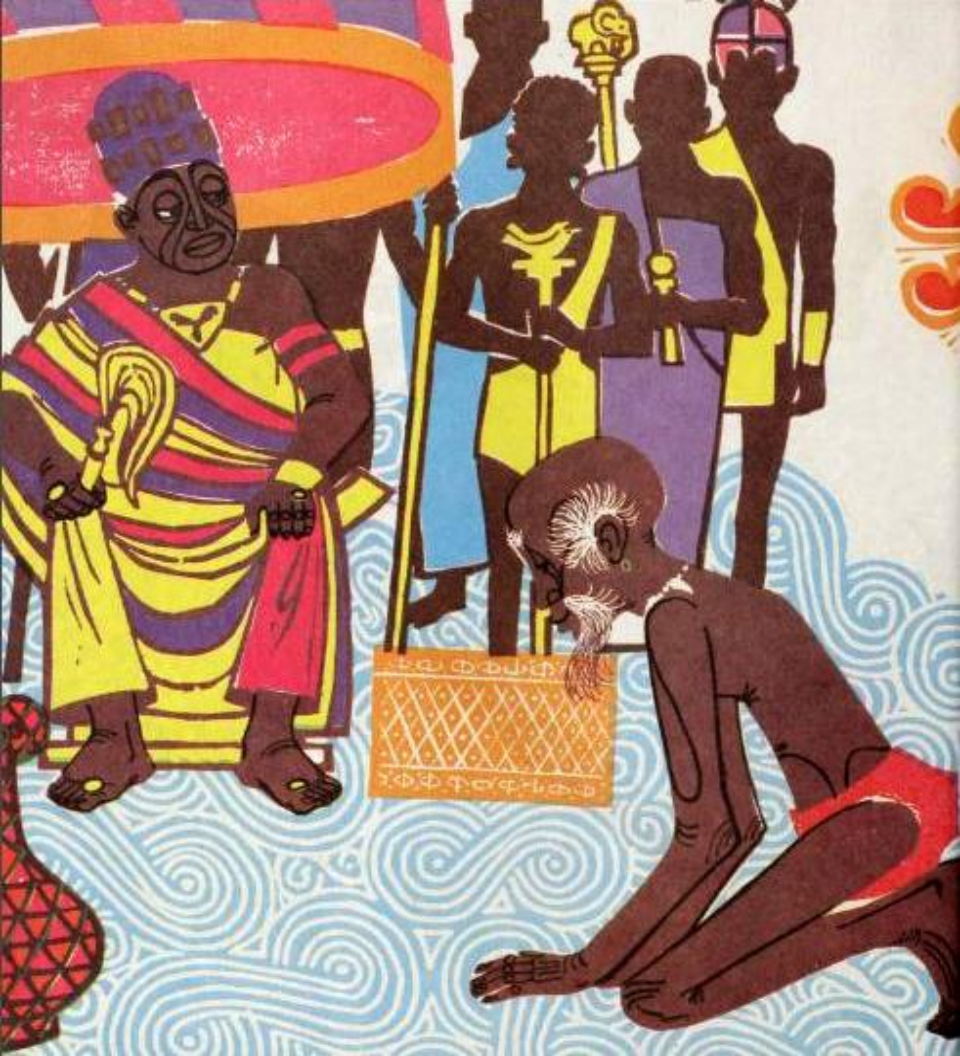
"देखो, न्यामे," अनानसे ने झुककर कहा, "यह रही आपकी कहानियों की पूरी कीमत - भयानक दांत वाला चीता – ओसेबो, गहरा डंक मारने वाली ततैय्या - मेम्बोरो और ममोटिया परी - जिसे किसी आदमी ने कभी नहीं देखा है."

उसके बाद आकाश-देव न्यामे ने, अपने सारे मंत्रियों और दरबारियों को बुलाया और ज़ोरदार आवाज़ में उनसे कहा: “मकड़ी-मनुष्य - छोटे अनानसे ने मेरी कहानियों की पूरी कीमत चुकाई है. उसकी तारीफ़ करो और उसका गुणगान करो. यह मेरा आदेश है.”

“आज से और उसके बाद हमेशा के लिए,” आकाश-देव ने ऐलान किया, “मेरी सारी कहानियों का मालिक अनानसे होगा, और वो कहानियां *मकड़ी-कहानियों* के नाम से जानी जाएँगी.”

“बहुत अच्छा!” सभी मंत्रियों और दरबारियों ने एक साथ कहा.

उसके बाद अनानसे कहानियों के सुनहरे डिब्बे को पृथ्वी पर वापिस लाया और उसने उसे अपने गाँव के लोगों को सौंपा. फिर जब अनानसे ने कहानियों का डिब्बा खोला तो कहानियां दुनिया के हर कोने में फ़ैल गईं. यह कहानी भी उन्हीं में से एक है.
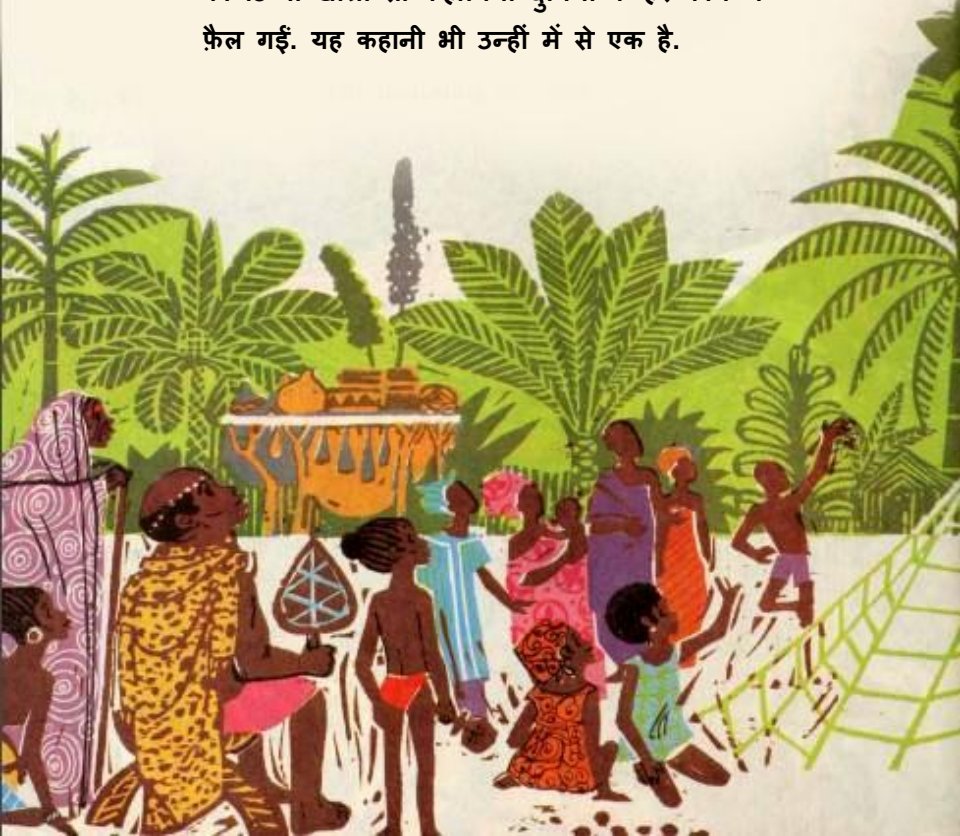
यह मेरी कहानी है जो मैंने तुम्हें सुनाई. शायद यह कहानी तुम्हें पसंद आई हो या हो सकता है न आई हो.

कुछ कहानियां यहाँ से ले जाओ, और फिर दुनिया की कुछ कहानियां मेरे लिए वापिस लाओ.

बहुत सी अफ्रीकी कहानियां चाहें वो अनानसे से कुछ सम्बंधित हो, या नहीं "मकड़ी-कहानियों" के नाम से जानी जाती हैं.

मकड़ी-कहानियों में छोटे, निस्सहाय लोग और जानवर अपनी अकल से बड़ी-बड़ी मुश्किलों और मुसीबतों पर काबू पाते हैं. बाद में यह कहानियाँ जहाजों पर चढ़कर अटलांटिक महासागर पारकर अमरीका पहुंची. गुलामों के वारिस आज भी कुछ वही पुरानी कहानियां सुनाते हैं.

इन कहानियों में तुम्हारी मुलाक़ात कई अफ्रीकी शब्दों से होगी. उनकी आवाज़ से तुम उनके मतलब का अंदाज़ लगा पाओगे.